इकाई - IV

10. अमर वाणी

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो झटकाय।
टूटे से फिर ना जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. यहाँ हाथों से क्या किया जा रहा है?
3. जीवन में दोस्ती का क्या महत्व है?

उद्देश्य

नीति दोहों का संकलन व पठन कर नैतिक भावनाओं से जीवन मूल्यों का विकास करना।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए और पाठ समझिए।

SCERT TELANGANA

कवि परिचय

कबीर दास ज्ञानमार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि हैं। माना जाता है कि इनका जन्म सन् 1398 में हुआ था। कबीर की वाणी का संग्रह *बीजक* है। इसके तीन भाग हैं- *साखी, सबद* और *रमैनी*। इनकी भाषा सधुक्कड़ी है। इनकी रचनाएँ मानवता पर बल देती हैं। इनका निधन सन् 1528 में हुआ।

दुःख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे, दुःख काहे को होय।।

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय।।

साई इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।

कवि परिचय

कवि वृंद का पूरा नाम वृंदावन दास है। इनका जन्म सन् 1643 में हुआ। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- *वृंद सतसई, समेत शिखर छंद, भाव पंचाशिका, पवन पचीसी, हितोपदेश संधि, वचनिका, सत्य स्वरूप, यमक सतसई, हितोपदेशाष्टक, भारत कथा* आदि। इनकी रचनाओं में नीति वचनों की सुगंध है। इनका निधन सन् 1723 में हुआ।

उत्तम जन के संग में, सहजे ही सुखभासि।
जैसे नृप लावै इतर, लेत सभा जनवासि।।

करै बुराई सुख चहै, कैसे पावै कोय।
रोपै बिरवा आक को, आम कहाँ तें होय।।

करत-करत अभ्यास ते, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात तें, सिल पर परत निसान।

SCERT TELANGANA

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर सोचकर दीजिए।

1. कबीर के बारे में बताइए।
2. अभ्यास का क्या महत्व है?

(आ) भाव से संबंधित दोहा लिखिए।

1. सुख में ईश्वर का ध्यान रखनेवाले को दुख नहीं होता।
2. सज्जन के साथ रहने से सुख मिलता है।

(इ) दोहा पढ़िए। भाव अपने शब्दों में बताइए।

1. धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
   माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय।।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नोत्तर

1. कबीर की दृष्टि में- 'किसी काम को धीरे-धीरे करना' इसका क्या तात्पर्य है?
2. हमें किन प्रयत्नों से सफ़लता मिल सकती है?
3. भगवान का स्मरण कब करना चाहिए? क्यों?

(आ) तुलना कीजिए।

कबीर व वृंद के दोहों में क्या अंतर स्पष्ट होता है?

(इ) कुछ नीति संबंधी नारे लिखिए।

(ई) कबीर और रहीम के दोहे हमारे जीवन को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? बताइए।

भाषा की बात

(अ) 'जड़मति' शब्द जड़ और मति शब्दों के जोड़ने पर बना है। ऐसे ही कुछ और शब्द बनाइए।

परियोजना कार्य

कुछ दोहे संकलित कीजिए।

सोचिए:

आप अपने सहपाठियों में क्या देखकर दोस्ती करते हैं? रंग-रूप, कपड़े, परिवार का स्तर, गुण, व्यवहार या बुद्धिमत्ता?

बालकों का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा है। - महात्मा गाँधी

SCERT TELANGANA